



विषय	पृष्ठ
दो सौ बाईस अध्याय	
रैवतक पर्वत पर उत्सव । अर्जुन और सुभद्रा की भेंट । अर्जुन का श्रीकृष्ण से सुभद्रा को पाने का प्रस्ताव ... ४७७	
दो सौ तेईस अध्याय	
सुभद्रा-हरण और इससे यादवों का क्रुद्ध होना ... ४७८	
दो सौ चौबीस अध्याय	
अर्जुन से सुभद्रा का व्याह ... ४८१	
दो सौ पच्चीस अध्याय	
जल-विहार ... ४८२	
दो सौ छब्बीस अध्याय	
खाण्डव-वन जलाने के लिए अग्नि की प्रार्थना ... ४८७	
दो सौ सत्ताईस अध्याय	
अर्जुन का अग्नि की प्रार्थना को स्वीकार करना ... ४९१	
दो सौ अठ्ठाईस अध्याय	
अग्नि से अर्जुन को धनुष आदि मिलना ... ४९२	
दो सौ उनतीस अध्याय	
डरे हुए देवताओं की प्रार्थना से इन्द्र का जल बरसाना ... ४९४	

विषय	पृष्ठ
दो सौ तीस अध्याय	
इन्द्र के साथ अर्जुन और कृष्ण का युद्ध ... ४९६	
दो सौ इकतीस अध्याय	
आकाश-वाणी सुनकर इन्द्र का युद्ध रोकना ... ४९८	
दो सौ बत्तीस अध्याय	
मन्दपाळ ऋषि का उपाख्यान ५०१	
दो सौ तैंतीस अध्याय	
जरिता और उसके पुत्रों का संवाद ... ५०३	
दो सौ चौंतीस अध्याय	
जरिता का पुत्रों को छोड़कर उड़ जाना ... ५०४	
दो सौ पैंतीस अध्याय	
अग्नि की स्तुति ... ५०६	
दो सौ छत्तीस अध्याय	
मन्दपाळ और जरिता का पुत्र के पास आना ... ५०७	
दो सौ सैंतीस अध्याय	
मन्दपाळ का पुत्रों को आश्वास देना । इन्द्र का अर्जुन को अस्त्र देना स्वीकार करना तथा कृष्ण और अर्जुन को वर देना ... ५०८	

रंगीन चित्रों की सूची ।

विषय	पृष्ठ
१ अर्जुन का मरस्य-भेद ...	४१६
२ अर्जुन और भीम का राजाश्रों से युद्ध ...	४२२
३ इन्द्र उस स्त्री के पास गये और पूछने लगे—भद्रे, तुम कौन हो ? किसलिए रो रही हो ? ...	४३६
४ तिलोत्तमा के लिए सुन्द-उपसुन्द की लड़ाई ...	४६७
५ नगर में विचरती हुई चित्राङ्गदा को अर्जुन का देखना ...	४७२
६ जैसे अर्जुन उस ग्राह को किनारे पर लाये वैसे ही वह ग्राह का शरीर छोड़ कर सब	

विषय	पृष्ठ
गहने पहने सुन्दर लच्छणों-वाली एक स्त्री हो गई ...	४७३
७ चारों ओर फिरते-फिरते अर्जुन ने अनेक गहनों से सजी हुई वसुदेव की कन्या सुभद्रा को एक जगह देखा ...	४७५
८ सुभद्रा-हरण ...	४७६
९ यमुना-तट पर विहार-भूमि में क्रीड़ा-कौतुक ...	४८६
१० खाण्डव-वन-दहन ...	४९५
११ असुर, गन्धर्व, यक्ष, राक्षस और नागगण का अर्जुन और कृष्ण के साथ युद्ध ...	४९७



